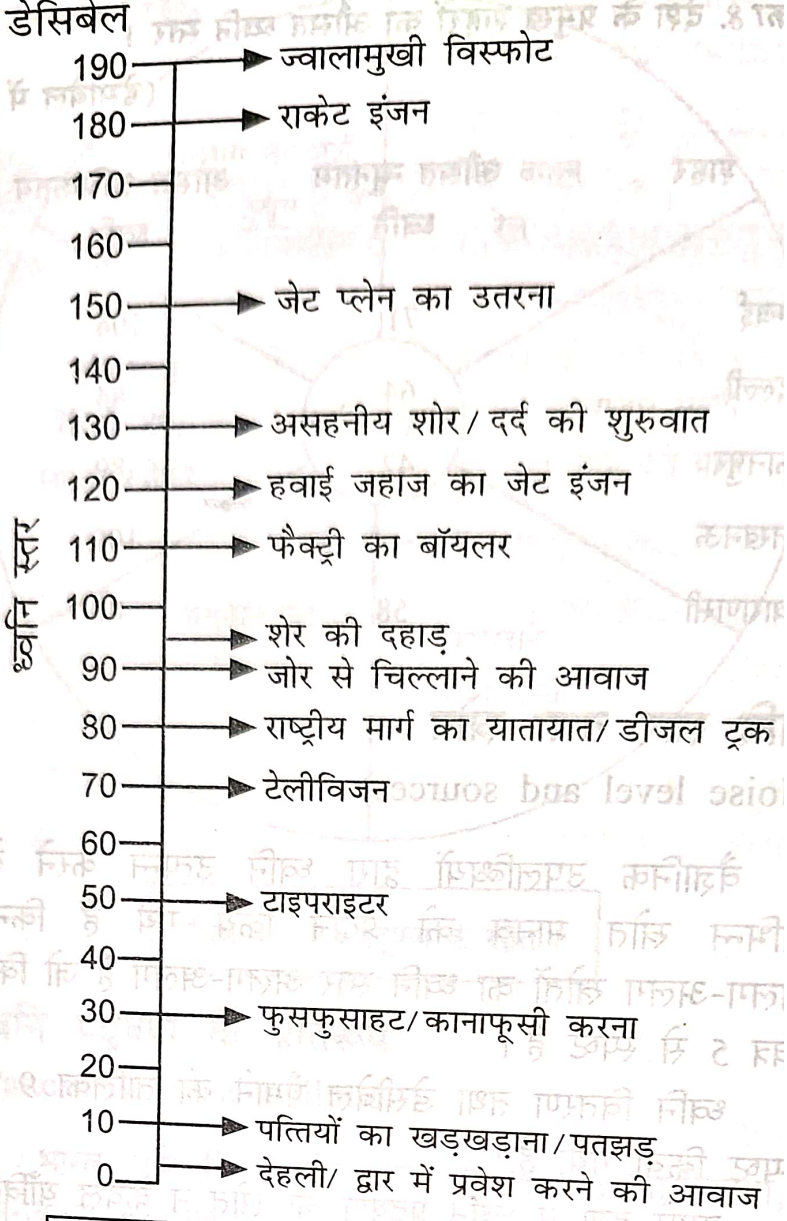

चित्र 5. प्रमुख ध्वनि स्रोत तथा उनके ध्वनि स्तर ।

घटकर 2% रह गया है। राजमार्गों के विकास न होने से बढ़ते हुए वाहनों का दबाव संकरी सड़कों पर बढ़ रहा है।

देश में वाहनों का प्रादेशिक व नगरीय वितरण भी समान रूप से नहीं है। हमारे देश की कुल वाहन संख्या का 40% देश के केवल 12 बड़े महानगरों में केन्द्रित है साथ ही इन महानगरों की कुल वाहन संख्या का 83% कार एवं दुपहिया वाहन हैं। कार एवं दुपहिया वाहन अधिकांश तथा निजी वाहन हैं और इन्हीं वाहनों के बढ़ते घनत्व से शहरों की संकरी सड़कों में ध्वनि प्रदूषण हो रहा है।

देश में ध्वनि प्रदूषण के बढ़ने का कारण संकरी सड़कों में वाहनों का बढ़ता हुआ घनत्व भी है। 1950 में भारतीय सड़कों में वाहन घनत्व 0.77 था जबकि 1985 में बढ़कर 4.16 वाहन प्रति किमी हो गया। इसमें दुपहिया वाहनों का घनत्व इसी अवधि में 0.07 से बढ़कर 2.80 अर्थात् 40 गुना अधिक हो गया है। कारों और ट्रकों का वाहन घनत्व भी दुगुना बढ़ा है। वाहनों का घनत्व सर्वाधिक महानगरीय सड़कों में बढ़ रहा है।